UPSC MAINS · ANSWER PRACTICE

Disaster Management · GS - III

भारत में चक्रवातों से होने

वाली जन -धन की हानि को कम करने
में पूर्व चेतावनी प्रणाली और

आपदा प्रबंधन संस्थाओं की

भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

EXAM YEAR

DAILY PRACTICE 29/10/2026

PAPER

GS - III

SUBJECT

Disaster Management

MARKS

10

WORD LIMIT

~150 words

Answer Hint

चक्रवात पूर्व चेतावनी ; IMD की भूमिका ; NDMA और NDRF; तटीय
संवेदनशीलता ; निकासी एवं राहत ; सामुदायिक भागीदारी ; आपदा -
रोधी अवसंरचना

Model Answer

भूमिका

बंगाल की खाड़ी में उत्पन्न होने वाले चक्रवात तटीय क्षेत्रों में
तेज हवाओं , भारी वर्षा और बाढ़ का जोखिम बढ़ाते हैं। इनके प्रभाव
अंतर्देशीय क्षेत्रों तक भी पहुँच सकते हैं। प्रस्तुत समाचार में
चक्रवात ‘अर्नब ’ से संबंधित घटनाओं और चेतावनियों का उल्लेख है; इन
विशिष्ट विवरणों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है।

प्रमुख संस्थाओं की भूमिका

1. भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD): उपग्रहों , रडार और मौसम मॉडलों
की सहायता से चक्रवात की निगरानी तथा समय पर चेतावनी जारी करना।

2. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA): आपदा प्रबंधन
नीतियों , तैयारी और जोखिम न्यूनीकरण के लिए दिशानिर्देश उपलब्ध

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

कराना।

3. राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF): खोज, बचाव
और प्रभावित समुदायों की सहायता करना।

प्रमुख चुनौतियाँ

तटीय बस्तियों की संवेदनशीलता , कमजोर आवास,
बिजली एवं संचार व्यवस्था में व्यवधान ,
चेतावनियों का सीमित प्रसार और राहत
कार्यों में समन्वय की कमी नुकसान बढ़ा
सकती है।

आगे की राह

बहुभाषी चेतावनी प्रणाली , समयबद्ध निकासी ,
चक्रवात आश्रयों , मजबूत बिजली नेटवर्क ,
स्थानीय निकायों के प्रशिक्षण और मैंग्रोव
जैसे प्राकृतिक अवरोधों के संरक्षण पर बल
देना चाहिए।

निष्कर्ष

पूर्व चेतावनी तभी प्रभावी होती है जब उसके
साथ स्थानीय तैयारी , त्वरित राहत और
दीर्घकालिक आपदा -रोधी विकास जुड़ा हो।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias